वर्ष-2, अंक-4 अप्रेल 2018
जे-7, श्रीराम नगर, रायपुर (छ.ग.)
आर. एन. आई. पंजीकरण क्रमांक
CHHHIN/2017/72506

किलोल

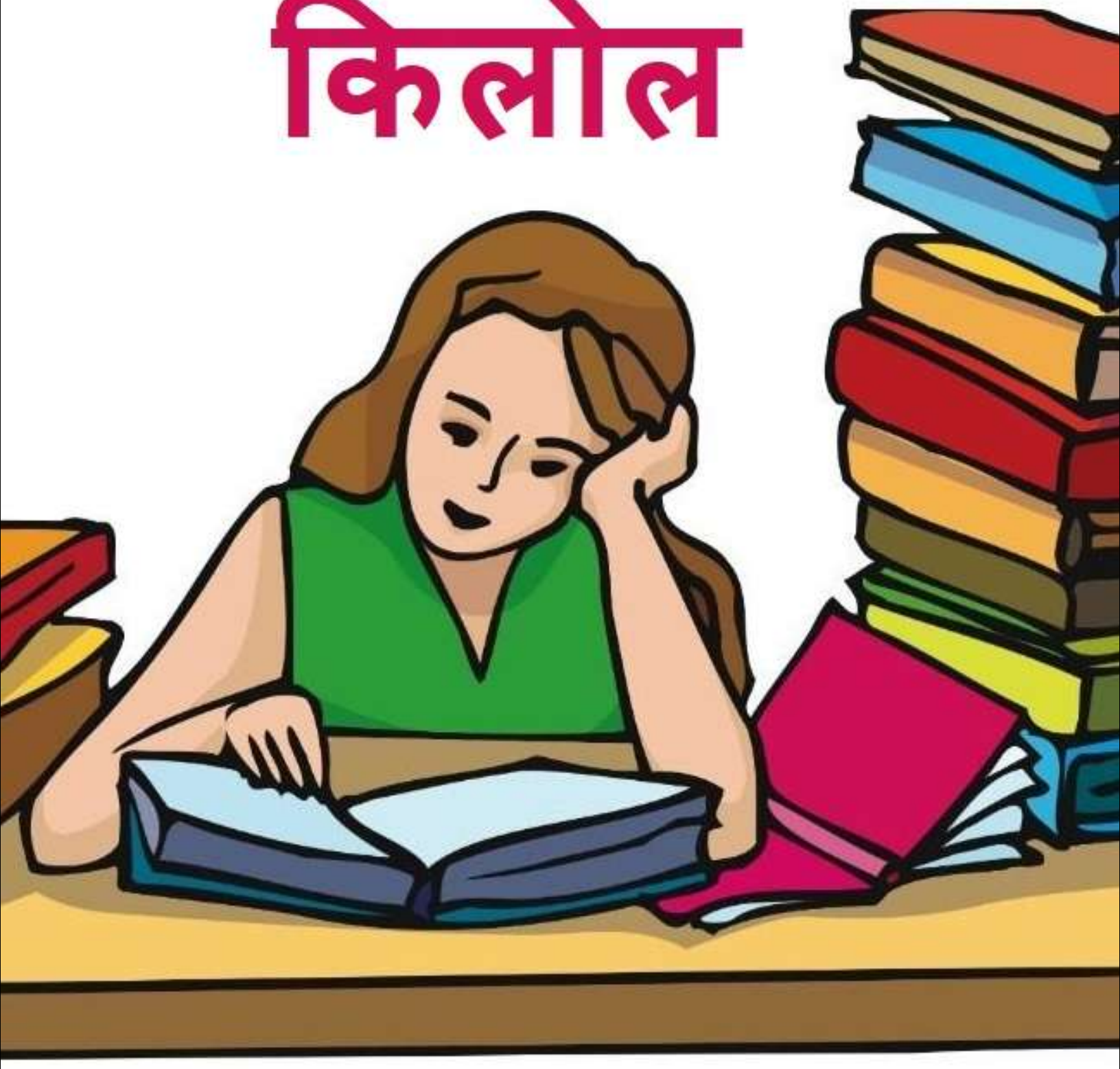

संपादक - डा. आलोक शुक्ला
सह-संपादक - एम. सुधीश

संपादक मंडल -
राजेंद्र कुमार विश्वकर्मा , शेख अजहरुद्दीन

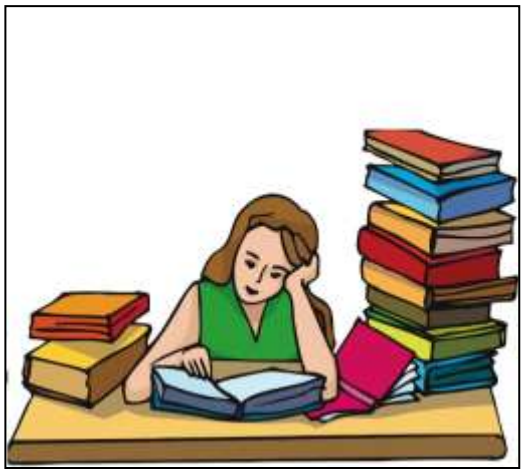

प्यारे बच्चों,

परीक्षाओं का समय फिर से आ गया. आप सभी मेहनत से और दिल लगा कर पढ़ाई कर रहे होंगे. मुझे उम्मीद है कि सभी बच्चे अच्छे नम्बरों से पास होंगे और आगे की कक्षाओं में जायेंगे. बच्चों परीक्षाओं से कभी घबराना नहीं चाहिए. जीवन में हमें हमेशा कठिन परीक्षाओं से गुज़रना होता है. याद रखो तपकर ही सोना कुन्दन बनता है. कभी-कभी ऐसा भी होता है कि मेहनत करने पर भी हमें उतनी सफलता नहीं मिल पाती है जितनी की आशा हो. ऐसे में हिम्मत नहीं हारना चाहिये और बिना निराश हुए मेहनत के साथ आगे बढ़ने का प्रयास करना चाहिए. दो बकरियों की अधूरी कहानी का प्रयोग बहुत सफल रहा और हमें उसे पूरा करने के लिये बहुत सी अच्छी कहानियां मिली हैं. कुछ को हम इस अंक में प्रकाशित कर रहे हैं. इस अंक में हम विज्ञान पहेली भी प्रारंभ कर रहे हैं. तो बच्चों जुट जाओ पढ़ाई में. जल्दी ही परीक्षा समाप्त होगी और गर्मी की छुट्टियों में हमें फिर से खेलने-कूदने और घूमने-फिरने का मौका मिलेगा. हमेशा की तरह यह अंक भी http://alokshukla.com/Books/BookForm.aspx?Mag=Kilol पर नि:शुल्क डाउनलोड के लिये उपलब्ध है. सभी से पुन: अनुरोध है कि dr.alokshukla@gmail.com पर ई-मेल व्दारा अच्छी रचनाएं भेजें.

आलोक शुक्ला

अंत भला तो सब भला

लेखिका - कु.रोशनी मरकाम, कक्षा आठवीं, शा. पूर्व मा. वि. नवापारा कर्रा

रामगढ़ राज्य के राजा रामेश्वर की दो पत्नियां थी, कौशल्या और सुभद्रा. सुभद्रा स्वभाव से सुशील और गुणी थी जबकि कौशल्या कपटी व चालबाज औरत थी. सुभद्रा के दो बच्चे थे. एक पुत्र शिखर और दूसरा पुत्री सुधा. कौशल्या को एक भी बच्चा नहीं था. इस कारण उसे अपनी सौतन से जलन होती थी. उसने राजा के कान भरे कि सुभद्रा के बच्चे उनके नहीं बल्कि किसी और के हैं. राजा कौशल्या की बातों में आ गया और उसने सुभद्रा को महल से निकाल दिया. सुभद्रा अपने बच्चों को लेकर मायके गई परंतु उसकी मां ने भी उसे अपने घर में पनाह नहीं दी. उसकी मां ने कहा - जो अपने पति की नहीं हुई वह किसी की नहीं, और उसने

दरवाजा बंद कर लिया. सुभद्रा अपने बच्चों को लेकर जंगल की ओर चल दी और वही एक झोपड़ी बनाकर रहने लगी.

कुछ वर्ष बीत गए. एक दिन सुभद्रा के दोनों बच्चों ने उससे अपने पिता के बारे में पूछा. सुभद्रा कुछ नहीं बोली और रोने लगी. उसके बच्चों ने अपनी मां को रोते देख फिर कभी यह प्रश्न नहीं करने का वादा किया. इधर महल में कौशल्या को एक भी बच्चा नहीं हुआ. उसका व्यवहार राजा की प्रति भी अच्छा नहीं था. राजा ने जब पता लगाया तो उसे मालूम हुआ कि सुभद्रा के बच्चे राजा के ही हैं और कौशल्या ने झूठ बोला था. यह जानकर राजा ने कौशल्या को महल से निकाल दिया और सुभद्रा की तलाश करने लगे. तलाश करते करते राजा को जंगल में वह झोपड़ी मिल गई, जहां पर सुभद्रा अपने बच्चों के साथ रहती थी. राजा ने सुभद्रा से क्षमा मांगी और उसे तथा बच्चों को महल ले आया. सब खुशी-खुशी रहने लगे. इसीलिए कहते हैं अंत भला तो सब भला.

कहानी पूरी करो

पिछले अंक में हमने आपको पुष्पा शुक्ला जी की अधूरी कहानी दो-बकरियां पूरी करने को दी थी. आइये पहले उस अधूरी कहानी को फिर से पढ़ते हैं -

दो बकरियाँ

लेखिका - पुष्पा शुक्ला

जंगल में एक नाला था. नाले के पास ही दो बकरियां रहती थीं एक काली एक भूरी. नाले के किनारे हरी-हरी घास लगी थी. दोनों बकरियाँ रोज वहाँ घास चरने जाती थीं. एक दिन भूरी बकरी नाले के किनारे घास चर रही थी. काली बकरी वहाँ नहीं आई थी. वह आज दूसरे किनारे पर घास चरने चली गई थी. भूरी बकरी ने इधर - उधर देखा. फिर उसने नाले कि दूसरी तरफ देखा. बकरी ने सोचा - उस किनारे कि घास का रंग कितना हरा है ! वह घास नरम भी होगी. क्यों न आज उस किनारे चलूँ !

नाला गहरा था. भूरी बकरी किनारे - किनारे चलने लगी. एक जगह नाले पर पेड़ गिरा पड़ा था. पेड़ से नाले पर पुल - सा बन गया था. बकरी उस पुल पर चलकर नाला पार करने लगी. जैसे ही वह पुल पर कुछ दूर आगे बढ़ी, उसने देखा कि पुल कि दूसरी ओर से काली बकरी इधर ही आ रही है.

भूरी बकरी ने पूछा - "बहन, तुम कहाँ से आ रही हो ?" काली बकरी ने कहा - "मैं आज उस किनारे गई थी अब वापस जा रही हूँ." भूरी बकरी बोली - "बहन,यह पुल तो बहुत संकरा है. इस पुल से तो हम दोनों साथ - साथ नहीं निकल सकतीं. अब क्या करें ?"

.....

बहुत से बच्चों में इस अधूरी कहानी को पूरा करके भेजा है. हम उनमें से कुछ यहां प्रकाशित कर रहे हैं -

<u>कु. सृष्टि मधुकर, कक्षा-4 थी, गोड़वाना पब्लिक स्कूल पोड़ी</u>

काली बकरी बोली -चलो वापस चलो, शाम होने वाली है. तब भूरी बकरी बोली - मुझे वापस नहीं जाना, मुझे तो घास चरने जाना है, तुम पीछे हटो. दोनों पीछे हटने का नाम नहीं लेती थीं. दोनो अपनी-अपनी जिद्द पर अड़ी रहीं. दोनों के बीच में झगड़ा शुरू हो गया. वे एक दूसरे को सींग से मारने लगीं, जिससे उनके पेट से खून निकलने लगा. खून नाले में गिरा तो उसकी गंध पाकर नाले से मगरमच्छ आ गए. लड़ते-लड़ते दोनों का पैर फिसल गया और बकरियां नाले में गिर गईं. मगरमच्छ ने उन्हें खा लिया. इसीलिए कहते हैं कि "आपस में लड़ने से नुकसान ही होता है."

<u>कु. कविता कोरी शास.प्राथ.शाला गड़रियापारा, लाखासर</u>

दोनों बकरियाँ सोचने लगीं. काली बकरी ने कहा- बहन हम पुल पार करने के लिए आपस में लड़े तो अवश्य फिसल कर नाले में गिर जाएगें. भूरी बकरी बोली - मैं वापिस जाती हूँ पहले तुम पुल पार करो फिर मैं कर लूँगी. काली बकरी ने कहा -

क्यों ना हम दोनों वापस ना जाए और पुल साथ में पार कर लें? भूरी बकरी बोली - क्या ऐसा हो सकता है? कुछ देर बाद काली बकरी बोली - "मैं पुल पर लेट जाती हूँ, तुम मेरे ऊपर से निकल जाओ." भूरी बकरी झट से बोली "नहीं-नहीं, मैं लेट जाती हूँ। तुम पहले निकल जाओ." भूरी बकरी पुल पर लेट गई काली बकरी ने धीरे-धीरे पाँव उठाए. उसने अपने पाँव भूरी बकरी पर रखे. फिर वह दूसरी तरफ कूद गई. भूरी बकरी उठ खड़ी हुई. वह भी नाले के दूसरे किनारे चली गई. इस तरह दोनों बकरियों ने बुध्दिमानी से काम लिया. शिक्षा - बुध्दि और संयम से कठिन से कठिन परिस्थितियों का सामना सफलतापूर्वक किया जा सकता है.

<u>कु. प्रीति कक्षा आठवीं शासकीय पूर्व माध्यमिक विद्यालय बतरा</u>

काली बकरी बहुत चतुर और धूर्त थी. उसने भूरी बकरी को कहा कि आज मैंने तुम्हारी हमशक्ल को देखा है. क्या तुम उससे मिलना चाहोगी? भूरी बकरी उसकी बातों में आ गई और मिलने की इच्छा जाहिर की. काली बकरी ने नाले के तरफ इशारा करते हुए कहा- यह देखो तुम्हारी हमशक्ल, तुमसे मिलना चाहती है. भूरी बकरी को नाले के पानी में अपनी परछाई दिखाई दी जिसे उसने अपनी हमशक्ल बकरी समझा. भूरी बकरी अपनी हमशक्ल से मिलने के लिए नाले में कूद पड़ी और नाले में बह गई. काली बकरी नाला पार कर दूसरी तरफ चली गई.

<u>संजीव कुमार सूर्यवंशी शास. पूर्व मा. विद्यालय नन्दौरकला, सक्ती</u>

काली बकरी बोली- "बहन, हम एक साथ तो नही निकल सकते. तो एक काम करते हैं मै बैठ जाती हूं. तुम मेरे ऊपर पैर रखकर निकल जाओ." तब भूरी बकरी बोली - "नही बहन मै बैठ जाती हूं तुम मेरे ऊपर से निकाल जाओ, क्योंकि मै अभी तुरंत चारा चरकर आ रही हूँ तो मुझे ज्यादा परेशानी भी नही होगी." इतना कहकर भूरी बकरी बैठ गई और काली बकरी उसके ऊपर पैर रखकर निकल गई. दोनों किनारे पर पहुंचीं तो काली बकरी ने भूरी बकरी को धन्यवाद दिया. तब भूरी

बकरी बोली- "बहन धन्यवाद की आवश्यकता नही है. यदि हम मिलकर आपसी भाईचारे के साथ काम करें तो हम काम आसानी से हो जाता है."

अब इस अंक की अधूरी कहानी पढ़कर उसे पूरा करिये और जल्दी से हमें भेज दीजिये. अगले अंक में आपकी कहानी भी प्रकाशित होगी -

अधूरी कहानी - घमंडी हाथी और चींटी

एक समय की बात है चन्दन वन में एक शक्तिशाली हाथी रहता था. उस हाथी को अपने बल पर बहुत घमंड था. वह रास्ते से आते जाते सभी प्राणियों को डराता धमकाता और वन के पेड़-पौधों को बिना वजह नष्ट करता उधम मचाता रहता. एक दिन आकाश में बिजली चमकी और मूसलाधार बारिश होने लगी. तेज़ बारिश से बचने के लिए हाथी दौड़ कर एक बड़ी गुफा में जा छिपा. गुफा के भीतर एक छोटी सी छीटी भी थी. उसे देखते ही हाथी हँसने लगा और बोला - "तुम कितनी छोटी हो, तुम्हे तो मैं एक फूंक मारूँगा तो चाँद पर पहुँच जाओगी. मुझे देखो मैं चाहूँ तो पूरे पर्वत को हिला दूँ. तुम्हारा जीवन तो व्यर्थ है."

अब आगे की कहानी तुम लिखो.

चित्र देखकर कहानी लिखो

पिछले अंक में हमने आपको कहानी लिखने के लिये एक चित्र दिया था. वह चित्र हम नीचे दे रहे हैं –

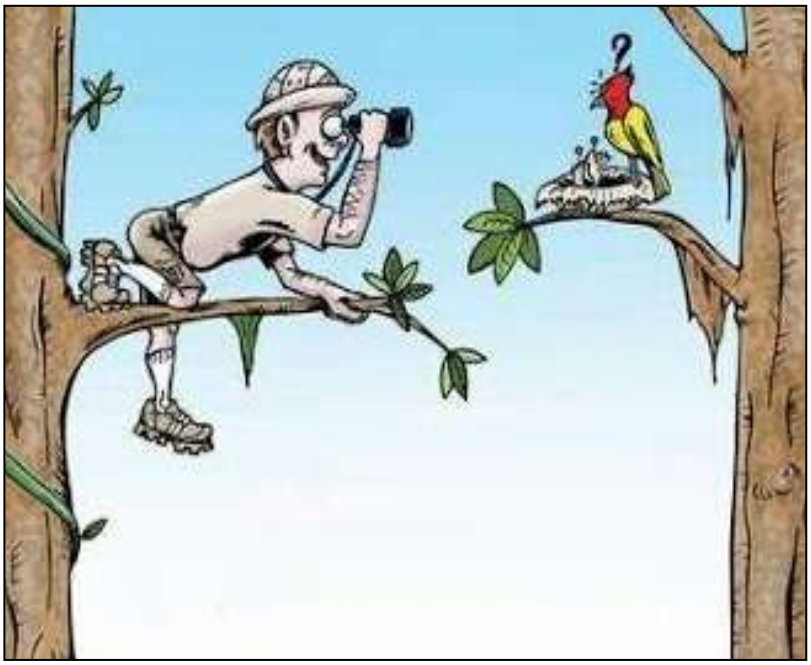

इस चित्र पर हमें बड़ी सुंदर कहानियां मिली हैं. उन्हें हम यहां प्रकाशित कर रहे हैं–

शहर से आए चाचा जी

लेखिका - कु. रबीना टोप्पो, कक्षा सातवीं, शा.पूर्व मा. वि. नवापारा कर्रा

एक गांव में एक लड़की रहती थी. उसका नाम रानी था. वह बहुत अच्छी व समझदार थी. रानी आज बहुत खुश थी क्योंकि रानी के चाचा जी शहर से आने वाले थे. थोड़ी देर में रानी के चाचा रानी को पुकारते हुए घर के अंदर आए. रानी अपने चाचा को देखकर बहुत खुश हुई. रानी अपने चाचा को गांव के पास के बगीचे में घुमाने ले गई. बगीचे में सुंदर सुंदर फूल खिले थे. चाचा जी अपना

कैमरा भी लाये थे. वे बगीचे के पेड़ों और फूलों के फोटो ले रहे थे. चाचा जी ने एक पेड़ पर चिड़िया का घोंसला देखा. चिड़िया अपने बच्चे को खिला रही थी. चाचाजी दूसरे पेड़ पर चढ़कर चिड़िया का फोटो लेने लगे. चिड़िया समझी कि वह आदमी उसके बच्चे को लेने आ रहा है. चिड़िया झट से उड़कर चाचा जी को चोंच से मारने लगी. चाचाजी को चिड़िया पर बहुत गुस्सा आया. वे चिड़िया को भगाने की कोशिश करने लगे. अब क्या था चाचा जी का पैर फिसला और चाचाजी पेड़ से नीचे गिर पड़े. इतना देखकर रानी चाचा जी के पास दौड़ी चली आई और उन्हें उठाकर घर ले गई. चाचाजी दूसरे दिन फिर उसी पेड़ के नीचे गए और पेड़ पर चढ़कर घोंसले को नीचे फेंक दिया. तभी रानी वहां आ गई. उसने चिड़िया का घोंसला उठा लिया. चाचा जी पेड़ के नीचे उतरे. उन्होंने रानी से गुस्से में कहा - रानी तुमने घोंसला क्यों उठाया? रानी ने कहा - चाचा जी कल चिड़िया ने आपको चोट मारी इसलिए आप चिड़िया का घोंसला नीचे फेंक रहे थे. अगर उस चिड़िया की जगह आप होते तो आप भी यही करते. चिड़िया ने सोचा होगा कि आप उसके बच्चे को लेने आ रहे हैं इसलिए उसने आपको चोट मारी. चाचा जी को अपनी गलती का अहसास हुआ और वह खुद चिड़िया के घोसले को पेड़ पर रखकर आए. रानी और उसके चाचा खुशी-खुशी घर आ गए.

<u>राजेश फोटोग्राफर</u>

लेखिका - कु. पूजा पन्द्रो कक्षा 5 वीं शा. प्रा. शा. मझवानी

एक गांव था. वहां का जंगल बहुत हरा भरा और सुंदर था. जंगल में बहुत से जीव-जंतु रहते थे. वहां के लोग भी बहुत अच्छे थे. एक बार की बात है उस जंगल में शहर से एक आदमी आया. वह अपने साथ एक बैग, दुरबीन और कैमरा लाया था. गांव के लोगों ने उसका नाम पूछा. उसने बताया कि वह राजेश है और शहर से यहां घूमने और जानवरों की तस्वीर लेने आया है. एक दिन तस्वीरें लेते और घूमते हुए वह एक तालाब के किनारे पहुंचा. वहां बहुत से पेड़-पौधे लगे थे. एक पेड़

पर उसने एक घोंसला देखा जिसमें एक चिड़िया अपने बच्चों के साथ थी. वह उन्हें ठीक से देखने के लिये पास के एक पेड़ पर चढ़ गया और फोटो लेने लगा. उसने शहर जाकर वह तस्वीर पेपर में भी छपवाई.

अब नीचे दिये चित्र को देखो और उसपर जल्दी से एक कहानी लिखकर हमें भेज दो. हम अगले अंक में आपकी कहानी भी प्रकाशित करेंगे -

फूल

लेखिका - चानी एरी

बाग-बाग में खिलते फूल

सदा बिहंसते रहते फूल

महक भरी रहती है इनमे

सबको अच्छे लगते फूल

कांटों का कोई मित्र नहीं

कांटों में ही खिलते फूल

अनगिन गुण इनमें होने से

शीष चढ़ाए जाते फूल

फूल सिखाते हंसते रहना

हर मौसम में खिलते फूल

फूल सिखाते भाव जगाना

भौंरे गाते गुनगुन गाना

ऐसे प्यारे होते फूल

कभी नहीं हैं रोते फूल

मित्र हमारे होते फूल

बाग-बाग में खिलते फूल

सदा बिहंसते रहते फूल

एक थी धानी

लेखक - ईश्वरी कुमार सिन्हा

एक थी धानी

सामने आ रही थी नानी

धानी बोली - सुन मेरी नानी

मुझे सुनाओ कोई कहानी

नानी बोली - सुन मेरी धानी

मुझे पिलाओ पहले पानी

फिर सुनाऊँ मैं तुम्हे कहानी

धानी ने नानी को

पिलाया पानी,

नानी ने धानी को

सुनाई कहानी

<u>किताबें शाला की</u>

लेखक - नवीन कुमार तिवारी, अथर्व

इसे राग धनाक्षरी में गाया जाता है जो एक वार्णिक छंद है

किताबें देख डरते,

भारी बोझ लिए बस्ते ।

झुके रीढ़ किये बच्चे,

कुछ तो सोचिये ।।

क्या पढ़े पोथी पुराण,

पढ़े लिखे ये शैतान ।

धर्म ग्रन्थ क्या महान,

कुछ तो देखिये ।।

मिले कैसे सर्व ज्ञान,

दबे हुए मीत प्राण ।

कब लेंगे ये संज्ञान,

कुछ तो मानिये ।।

किताबें ज्ञान भंडार ,

पढ़ते कहाँ संसार ।

पढ़े कैसे बिरवान,

कुछ तो बोलिए ।।

कला – कमीशिबाई थियेटर का प्रदर्शन

प्रस्तुतकर्ता - दिलकेश मधुकर

उद्देश्य - कलात्मक शैली का विकास करना. कहानी को चित्रांकन रूप में समझाना.

सामग्री - पुराने चित्र, कागज का पुट्ठा, रंगीन पेपर, कलर पेन, गोंद, सेलोटेप.

गतिविधि/क्रिया - पुट्ठे के कार्टून को चित्र के अनुसार टीवी जैसे आकृति में काट लेते हैं, या थियेटर की शक्ल दे देते हैं. पुराने या नये कैलेण्डर या अन्य चित्रों को काटकर एक श्रेणी में जमाकर रख दिया जाता है, जिससे घटना, कहानी या सामान्य ज्ञान बताया जा सकता है।

आज की कहानी - मीना और चोर

एक दिन की बात है. मीना और मिट्ठू पढ़ाई कर रहे हैं. तभी एक चोर दबे पांव चढ़कर एक मुर्गी चुरा कर भाग जाता है. मीना मुर्गियां गिनती है तो देखती है कि एक मुर्गी कम है. वह इधर उधर देखती है तो उसकी नजर मुर्गी लेकर भागते चोर

पर पड़ती है. "चोर-चोर" - मीना चिल्लाती है, और चोर के पीछे दौड़ पड़ती है. मिट्ठू भी मीना के साथ हो लेता है. देखते ही देखते सारे लोग अपना-अपना काम को छोड़कर चोर का पीछा करने लगते हैं. मिट्ठू उड़ते-उड़ते सबसे पहले चोर के पास पहुंच जाता है और उसके कान में चिल्लाता है "चोर- चोर". डर के मारे चोर का पैर फिसलता है, और वह धान के खेत में गिर पड़ता है. चोर पानी से भरे धान के खेत में फंस जाता है, और उसका पीछा करते लोग उसे पकड़ लेते हैं. मुखिया जी मीना की बहादुरी से बहुत खुश होते हैं. वह पूछते हैं मीना ने चोर को कैसे देखा? मीना बताती है कि उसने जब मुर्गियां गिनी तो एक मुर्गी कम निकली. वह मुर्गी ढूंढने लगी तो उसके उस ने चोर को मुर्गी लेकर भागते देखा. मुखिया जी सोचते हैं कि मीना के माता-पिता उसे स्कूल भेजते हैं इसके लिए उन्हें बधाई देते हैं.

लाभ -

1. कक्षा अनुशासित होती है.
2. विद्यार्थियों में क्रियात्मक शैली का विकास होता है.
3. बच्चों की प्रतिभा का विकास होता है.
4. बच्चों का ध्यान लगा रहता है.
5. कक्षा में बच्चों की उपस्थिति में सुधार होता है.
6. सामान्य ज्ञान का विकास होता है.
7. बच्चे कहानी सुनने में बड़ा आनंद लेते हैं.

<u>विज्ञान के खेल - नन्हा ज्वालामुखी</u>

प्रस्तुतकर्ता - कु. कविता कोरी

सामग्री - मिट्टी, फेविकोल, लकड़ी की प्लेट, प्लास्टिक की शीशी अथवा बोतल, सिरका तथा खाने का सोडा.

विधि - मिट्टी में भलीभांति पानी मिलाकर आटे जैसा तैयार कर लें. लकड़ी की प्लेट अथवा पुठ्ठे पर मिट्टी डालकर पहाड़ जैसा आकार देते हुए उसके मध्य प्लास्टिक की छोटी बोतल अथवा शीशी फिट करेंगे. शीशी का ऊपरी हिस्सा पहाड़ पर खुला हुआ रहना चाहिए. अब चिकनाहट व मजबूती के लिए फेविकोल का उपयोग करेंगे. पहाड़ को सूखने के लिए दो दिन का समय देंगे. फिर इस पर मन चाहा पेंट कर देंगे. शीशी मे सिरका भर देंगे तथा ऊपर से खाने का सोडा डालेंगे. अब इसमें ज्वालामुखी जैसी क्रिया होगी.

कारण - सिरका में एसिटिक एसिड होता है और बेकिंग सोड़ा एक क्षार होता है. दोनों की रासायनिक क्रिया से तेज़ी से कार्बन-डाई-ऑक्साइड गैस बनती है जो शीशी के अंदर से निकलती है और ज्वालामुखी के लावे जैसे प्रतीत होती है.

<u>विज्ञान पहेली</u>

संकलनकर्ता - अशोक कुमार यादव

1. मधुमक्खियों का प्रजनन एवं प्रबंधन क्या कहलाता है?
   उत्तर : एपीकल्चर
2. रक्त के थक्का बनने में सहायक विटामिन कौन सा है ?
   उत्तर : K
3. कैल्शियम एल्युमिनेट तथा कैल्सयम सिलिकेट का मिश्रण क्या कहलाता है?
   उत्तर : सीमेंट
4. खट्टे फलों में कौन सा अम्ल होता है?
   उत्तर : साइट्रिक अम्ल
5. सेब को दाँतों से काटने के लिए किस प्रकार के दाँतों का उपयोग होता है?
   उत्तर : कृन्तक
6. कौन-से दो रंगों को मिश्रित करने से हरा रंग तैयार होता है?
   उत्तर : नारंगी और बैंगनी
7. वायुमंडल में उपस्थित कुल गैसों का कितना प्रतिशत नाइट्रोजन होता है ?
   उत्तर : 78%
8. प्रकाश संश्लेषण में सहायक, पत्तियों के हरे पदार्थ को क्या कहते है ?
   उत्तर : क्लोरोफिल
9. पीतल हवा में किस गैस की उपस्थिति के कारण बदरंग हो जाता है?
   उत्तर: आक्सीजन
10. निकट दृष्टि दोष दूर करने के लिए किस लेंस का उपयोग किया जाता है?
    उत्तर : अवतल लेंस
11. शरीर के किस अंग में आयोडीन संचित रहता है?
    उत्तर : थायरॉयड ग्रंथि

12. चाय में कौन-सा उत्तेजक विद्यमान रहता है?
    उत्तर : कैफीन
13. फाइलेरिया रोग किसके कारण होता है?
    उत्तर : कृमि
14. मनुष्य की आहार नाल के किस भाग में कोई एंजाइम नहीं पाया जाता है?
    उत्तर : ग्रसिका
15. मानव शरीर में सबसे अधिक मात्रा में पाया जाने वाला तत्व कौन सा है?
    उत्तर : ऑक्सीजन
16. हास्य गैस का रासायनिक नाम क्या है?
    उत्तर : नाइट्रस ऑक्साइड
17. हमारे शरीर में कार्बोहाइड्रेट के पाचन के लिए कौन-सा एन्जाइम उत्तरदायी है ?
    उत्तर : एमाइलेज़
18. सिगरेट के धुँए का मुख्य प्रदुषक घटक क्या है?
    उत्तर : कार्बन मोनोआक्साइड और निकोटीन
19. लाल चींटियों में कौन-सा अम्ल पाया जाता है ?
    उत्तर : फार्मिक अम्ल
20. स्कर्वी रोग कौन से विटामिन की कमी से होता है?
    उत्तर: विटामिन सी

सामान्य ज्ञान - दुनिया की पहली तैरती पवन चक्की

संकलनकर्ता - कविता कोरी

स्कॉटलैंड में दुनिया की पहली तैरती व्यावसायिक पवन चक्की हाल ही में शुरू हो गई है. यहां सालाना 135 गीगावॉट ऑवर बिजली पैदा होगी, जिससे ब्रिटेन के 20 हजार घरों की आपूर्ति होगी. इन घरों को बिजली मिलना शुरू भी हो गई है. यही नहीं, यह बिजली पेरिस स्थित एफिल टावर की 20 साल की कुल आवश्यकता की पूर्ति कर सकती है. बिजली का इस्तेमाल न होने पर वह लीथियम की बैटरियों में संग्रहित की जाएगी.

नॉर्थ सी में पांच पवन चक्कियां लगाई गई हैं. इनमें से प्रत्येक की क्षमता 6 मेगावॉट है. इस तरह कुल 30 मेगावॉट बिजली पैदा होगी। हाइविंड स्कॉटलैंड प्रोजेक्ट के तहत प्रत्येक पवनचक्की के निचले हिस्से में कंकड़ भरे गए हैं, जिससे ये पानी में तैरने में सक्षम हैं. इन्हें तिपाई आकार के आधार के जरिए समुद्र तल से जोड़कर मजबूती दी गई है. इस प्रोजेक्ट में अबु धाबी फ्यूचर एनर्जी कंपनी की 25 फीसदी और नॉर्वे की ऑइल कंपनी स्टेटॉइल की 75 फीसदी हिस्सेदारी है.

तैरती पवनचक्की लगाकर इंजीनियरों ने नई संभावनाओं के भी दरवाजे खोल दिए हैं. यूं तो पानी में पवनचक्की 1990 से लग रही है, लेकिन इन्हें पानी की गहराई में तल पर बांध दिया जाता था. यहां तैरते टरबाइन को तीन रस्सियों की सहायता से तैरती स्थिति में रखा गया है.

स्कॉटलैंड के पीटरहेड से 25 किमी दूर तट की तरफ जहां प्रोजेक्ट लगा है वहां हवा की गति औसतन 10 मीटर प्रति सेकंड रहती है.

<u>नंबर गेम</u>

1. हर ब्लेड की लंबाई 79.8 मीटर है, जो एयरबस ए 380 हवाई जहांज़ के डैने के बराबर है।
2. यह टरबाइन 800 मीटर की गहराई में रखे जा सकते हैं
3. इनसे 20 हजार घरों को बिजली मुहैया कराई जा सकती है
4. 63 हजार टन कार्बन उत्सर्जन कम होगा
5. प्रत्येक टरबाइन का वज़न 111 टन है
6. प्रोजेक्ट की लागत 1709 करोड़ रुपए है

पहेलियां

संकलनकर्ता : - छत्रेश कुमार तारम

1. हरा हूँ पर पत्ती नही
   नकलची हूँ पर बंदर नही
   बूझो मेरा नाम सही
   उत्तर - तोता

2. तीन अक्षर का मेरा नाम
   प्रथम कटे तो पानी बन जाये
   अंत कटे तो हाथी
   बताओ मेरा नाम
   उत्तर - गजल

3. तीन अक्षर का मेरा नाम
   अंत कटे तो आग बनूं मैं
   मध्य कटे तो आरा कहलाऊं
   उत्तर - आगरा

4. मै हरी मेरे बच्चे काले
   मुझे छोड़ मेरे बच्चे को खाले
   उत्तर - इलायची

5. लाल गाय लकड़ी खाय
   पानी पीके मर जाय
   उत्तर - आग

गणितीय पहेली

संकलनकर्ता - दिलकेश मधुकर

1. रंजीत को हाउसिंग सोसाइटी में सभी घरों में मकान नंबर पेंट करने का कार्य दिया गया. उस हाउसिंग सोसाइटी में 100 घर थे. तो बताइए वह कितनी बार 9 पेंट करेगा?

2. रितेश से 100 रूपए के छुट्टे मांगे गए और शर्त यह रखी गई कि उनमें कोई भी ₹10 का नोट ना हो लेकिन कुल 10 नोट होने चाहिए. तो बताओ रितेश ने रुपये कैसे दिए होंगे?

3. सबसे छोटा और सबसे बड़ा वह अंक बताओ जिसको लिखने में अंग्रेजी की वर्णमाला का एक भी अक्षर दोबारा नहीं आता?
   जैसे- EIGHTY इसको लिखने में एक भी अक्षर दोहराया नहीं जाता।
   NINETY नहीं हो सकता क्योंकि इसमें N दो बार आता है।

4. 1 रूपए की 40 चिड़ियां, ₹3 का एक कबूतर, ₹5 का 1 मुर्गा तो बताओ ₹100 में 100 पक्षी कैसे आएंगे?

5. शतरंज बोर्ड पर कितने वर्ग होते हैं?

6. अगला अंक क्या होगा?
   1, 11, 21, 1211, 111221, 312211, ??

7. एक बुकशेल्फ पर कई किताबें रखी है अगर एक किताब बाएं से चौथी और दाएं से छठीं हो, तो शेल्फ में कितनी किताबें रखी हैं?

उत्तर-

1. 20 बार
   9,19,29,39,49,59,69,79,89,90,91,92,93,94,95,96,97,98,99(इसमें 9 दो बार लिखेगा).

2. 50+20+5+5+5+5+5+2+2+1 रूपए के नोट।

3. FIVE HOUSAND सबसे बड़ा अंक
   MINUS FOURTY सबसे छोटा अंक

4. 80 चिड़िया= 2 रूपए
   1 कबूतर= 3 रूपए
   19 मूर्गी = 95 रूपए
   100 पक्षी = 100 रूपए

5. 204 वर्ग
   64(1*1), 49(2*2), 36(3*3), 25(4*4), 16(5*5), 9(6*6), 4(7*7) और 1(8*8)

6. 13112221
   अगला अंक पहले अंक को बताता है जैसे 1के लिए एक 1=11, फिर 11 के बाद दो 1=21, फिर 21 के बाद एक 2 एक 1=1211,..... 312211 का होगा एक 3 एक 1 दो 2 दो 1 मतलब 13112221.

7. 9
   बाएं से चौथी+दाएं से छठीं-1(संख्या दो बार आती है)
   4+6-1=9

<u>गणित के चुटकुले</u>

प्रस्तुतकर्ता - कु.दुर्गा पैकरा कक्षा आठवीं

1. एक टोकरी में 10 सेब थे आपने अपने 10 मित्रों को बुलाया और सभी को एक एक सेब दे दिया फिर भी टोकरी में एक सेब बच गया बताओ कैसे?
   उत्तर -अपने पहले नौ दोस्तों को सेब दिया लेकिन आखिरी दसवें को टोकरी ही दे दी, इससे टोकरी में एक सेब रह गया.

2. चार लोगों को 1 गड्ढा खोदने में 2 दिन लगते हैं अब उसी गड्ढे को 2 लोगों को खोदने में कितने दिन लगेंगे?
   उत्तर - कोई दिन नहीं, क्योंकि गड्ढा तो पहले से खुदा हुआ है.

3. अगर आप रामपुर से सीतापुर कार चलाकर जा रहे हो और कार का नंबर AB 12 B 1209 हो अगर कार की रफ्तार 60 किलोमीटर प्रति घंटा हो और रामपुर से सीतापुर की दूरी 120 किलोमीटर हो और कार दोपहर 12:09 बजे पर चलकर 2:09 बजे सीतापुर पहुंचती है तो बताइए कि ड्राइवर का जन्मदिन कब है?
   उत्तर- क्योंकि आप कार चला कर जा रहे हैं, तो आपका जन्मदिन इस प्रश्न का उत्तर है.

4. टेलीफोन की डायलिंग पैड के सभी अंको का गुणा करने पर क्या अंक प्राप्त होगा?
   उत्तर - 0, क्योंकि किसी भी संख्या में 0 का गुणा करने से 0 मिलता है.

5. एक 6 मीटर लंबी 4 मीटर चौड़े और 3 मीटर गहरे खाली गड्ढे में कितनी मिट्टी होगी?
   उत्तर- कुछ भी नहीं ,क्योंकि गड्ढा खाली है.

One Two Buckle My Shoe

One, two,
Buckle my shoe;
Three, four,
Knock at the door;
Five, six,
Pick up sticks;
Seven, eight,
Lay them straight:
Nine, ten,
A big fat hen

वर्ग पहेली

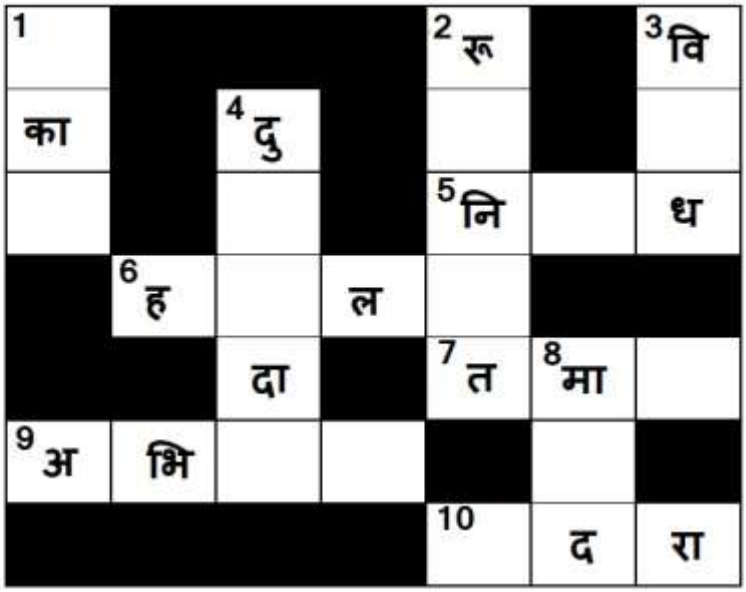

बाएँ से दाएँ

5. सीखना, समझना, समझाना, बतलाना 6. अस्तबल, घुड़साल, अश्वशाला 7. थप्पड़, चाँटा, झापड़ 9. किसी कार्य में लगा हुआ, प्रसन्न, अनुरक्त, युक्त, सहित 10. एक प्रकार का गान, एक ताल

ऊपर से नीचे

1. दुकान, 2. आत्मवाद, अध्यात्मवाद 3. बाधा, प्रतिकूलता, आपसी अनबन 4. गृहस्थ, संसार के प्रपंच में उलझा हुआ व्यक्ति, व्यवहारकुशल व्यक्ति 8. तरह, समान, सदृश, तुल्य

उत्तर